महिलाओं को 'कल की बचत' ने किया सशक्त

• आईआईएफएल की कार्यशाला में 27,830 महिलाएं बनीं हिस्सा

नई दिल्ली। नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी आईआईएफएल फाइनेंस ने आईआईएफएल फाउंडेशन के साथ 'कल की बचत' कार्यशाला के तहत 27,850 महिलाओं को सशक्त करने में अहम भूमिका निभाई है।

फाउंडेशन की सीईओ डॉ. सारिका कुलकर्णी ने बताया कि आईआईएफएल ने देश के 700 से ज्यादा शहरों और कस्बों में 1030 से अधिक कार्यशाला का आयोजन किया है। 'कल की बचत' वित्तीय साक्षरता कार्यशाला खास तौर पर महिलाओं के लिए आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों को लक्ष्य आधारित वित्तीय योजना के बारे में समझाया और इससे उद्देश्यों की पूर्ति में मदद की जानकारी दी गई।

आईआईएफएल एक व्यवस्थित, महत्वपूर्ण नॉन बैंकिंग फाईनेंशल कंपनी है, जो सार्वजनिक जमा स्वीकार नहीं करती। यह होम एवं प्रॉपर्टी लोन, गोल्ड लोन, सिक्योरिटीज़ पर लोन, एसएमई बिजनेस एवं माईक्रोफाईनेंस लोन का कारोबार करती है।